केंद्रों के चक्कर काट रहे किसान, नहीं मिल रही खाद

सप्ताह पहले कराया टोकन बुक, अब तक नहीं आया नंबर

जबलपुर। जिले के हजारों किसान इन दिनों खाद के लिए दर-दर भटक रहे हैं। सरकारी पोर्टल पर टोकन बुकिंग के बावजूद समय पर खाद नहीं मिलने से किसान परेशान हैं। स्थिति यह है कि टोकन बुक किए लगभग सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक खाद केंद्र से कॉल या मैसेज नहीं आया। शहपुरा क्षेत्र के किसानों का आरोप है कि उन्होंने एक सप्ताह पहले टोकन बुक कराया था, परंतु आज दिनांक तक ना उनके पास मैसेज आया है ना ही फोन आया है। वहीं जब शहपुरा डबल लॉक वितरण केंद्र में जाते हैं तो लिस्ट में नाम भी अभी तक नहीं आया है, उससे वह काफी परेशान है और खाद भी नहीं मिल रही है।

फसल बोवनी का बिगड़ रहा शेड्यूल

किसानों से मिली जानकारी के अनुसार खेत में बोवनी का समय निकल रहा है, लेकिन खाद नहीं मिलने से पूरा शेड्यूल बिगड़ गया है। इसी तरह पाटन, कटंगी और बेलखेड़ा आदि जगह के किसान भी केंद्रों में हो रही अव्यवस्था पर भी सवाल उठा रहे हैं।

सिर्फ बड़े किसानों को मिल रही प्राथमिकता

किसानों ने आरोप लगाया है कि खाद वितरण में पारदर्शिता नहीं है। जिनके पास जान-पहचान या रसूख है, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि छोटे व सीमांत किसान लाइन में खड़े-खड़े लौट जा रहे हैं।

टोकन नंबर से ही मिलेगी खाद

खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की समस्या पर सवाल किया गया तो खाद वितरण केंद्रों के संचालकों का कहना है कि खाद का स्टॉक तो पर्याप्त है, लेकिन उन्हें पोर्टल से जारी टोकन नंबर के अनुसार ही खाद वितरित करनी होती है। जिसका नंबर आएगा और लिस्ट में नाम रहेगा उनको खाद वितरित हो रही है।

इनका कहना है

मैंने 31 जुलाई को 0761-181 पर मोबाइल से यूरिया के लिए टोकन बुक किया था। खेत में बोवनी शुरू करनी थी, लेकिन अब तक खाद नहीं मिला। हर तीसरे दिन केंद्र जा रहा हूँ, मगर नंबर नहीं आ रहा। 6 अगरस को खाद आया भी, लेकिन तब मेरा टोकन एक्टिव नहीं था।

प्रवीण पटेल, किसान
(ग्राम गडर पिपरिया)

27 तारीख तक की लिस्ट भेज दी गई है, जिनके टोकन बुक हैं, जल्द ही उनका नंबर भी आ जाएगा। सभी किसानों को टोकन कटवा कर ही खाद मिलेगी।

डॉ एस के निगम
कृषि उपसंचालक

एसपी आफिस में खुद पर केरोसीन उडेलने वाले समेत 5 पर प्रकरण दर्ज

पुलिस से धक्कामुक्की, बल प्रयोग शासकीय कार्य में डाली बाधा

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर बुधवार को हंगामा करते हुए पुलिस के साथ धक्कामुक्की, बल प्रयोग के साथ शासकीय कार्य में बाधा डालते खुद पर केरोसीन उडेलने वाले युवक समेत पांच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सिविल लाईन पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सिविल लाइन थाने में पदस्थ सउनि इंदल सिहं मरावी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बुधवार दोपहर एक बजे सूचना मिली कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कुछ व्यक्ति हंगामा कर रहे है एवं एक व्यक्ति स्प्राइट की बटल में केरोसीन लाकर अपने ऊपर डीजल डाल लिया है, सूचना मिलते ही थाना प्रभारी समेत आरक्षक सुनील पारधी, प्रदीप गुप्ता, दीपक यादव, प्रधान आरक्षक सदन दीक्षित मौके पर रवाना हुए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा जो शरण चौधरी के साथ मुन्ना चौधरी, गोपाल चौधरी, कृष्ण चौधरी, भोला चौधरी निवासीगण घुन्सौर और कुछ महिलाये हंगामा करते हुए नारेबाजी करने लगी जिससे कर्मचारी व आमजन परेशान होने लगे थे तभी एक व्यक्ति ने खुद के ऊपर डीजल डाल लिया था। प्रदर्शनकारियों ने शासकीय कार्य में व्यवधान पैदा किया गया। पुलिस स्टाफ द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो भोला चौधरी द्वारा धक्का मुक्की कर बल प्रयोग किया गया। पुलिस ने मामले में शरण चौधरी, मुन्ना चौधरी, गोपाल चौधरी, कृष्णा चौधरी, भोला चौधरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हैं।

हत्याकांड, दबंगाई मामले में सुनवाई न होने पर किया था प्रदर्शन

विदित हो कि घुंसौर निवासी हीरा बाई चौधरी की 8 दिसम्बर 2024 को हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले में हत्या का मामला दर्ज किया था लेकिन अब तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा है। पीड़ित परिवार ने कुछ नाम पुलिस को बताये थे जिन पर उन्होंने शक जाहिर किया था। इसके बाद परिवार के साथ मारपीट कर उन्हें धमकाया जा रहा था। सत्यम पटैल समेत अन्य पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए आक्रोशिजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे उनका कहना था कि थाने में शिकायत के बाद भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही दबंग घर में घुसकर गोलीकांड कर मारपीट कर रहे हैं। इसी बीच एक युवक ने स्वयं के ऊपर कोरोसीन उड़ेल लिया था।

रिटायर्ड आर्मी मैन ने 17 लाख हड़पे

जबलपुर। रिटायर्ड आर्मी मैन ने सेना में नौकरी दिलाने के नाम पर 17 लाख से अधिक की ठगी कर दी। चार लोगों ठगी का शिकार हुए। मामले में रांझी थाने में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हैं। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोहल्हानी ने बताया कि राजेश राजभर निवासी मडई का 2016 से आर्मी से सेवानिवृत्त हुआ है। जिसने सेना में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कई लोगों के साथ जालसाजी करते हुए धोखाधड़ी की हैं। अरविन्द्र कोल निवासी सोनपुर खमरिया की नौकरी सेना में लगाने के नाम पर उससे 4 लाख 80 हजार रूपए लिए गए उसे फर्जी नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया लेकिन जब अरविन्द्र को जालसाजी का पता चला तो उसने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार राजेश राजभर ने पूजा गुप्ता निवासी बड़ा पत्थर, संजीव कोर, आशीष कोर तीनों की आर्मी अस्पताल एनएम, वार्ड सहायक, मैसेंजर पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर तीनों से 12 लाख 65 हजार रूपए ऐंठ लिए।